यह प्रश्न-पत्र एवं उत्तर पुस्तिका संयुक्त है।

जय गुरु नाना | जय महावीर | जय गुरु राम

श्री साधुमार्गी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड, बीकानेर

जैन संस्कार पाठ्यक्रम परीक्षा-2019

समय : 3 घण्टे
12:30 से 3:30 बजे तक

प्रश्न-उत्तर पत्र भाग - 8

अंक 97+3-100

नाम.. पिता/पति का नाम..

शहर का नाम.......................... जन्मतिथि..................... मोबाइल..................... रोल नं ....

नोटः-सभी प्रश्नों के उत्तर दिये गये निर्देशों के अनुसार, निर्धारित स्थान पर, इसी प्रश्न पत्र में लिखें। उत्तर पुस्तिका जाँचने पर यदि यह पुष्टि होती है कि परीक्षार्थी ने दूसरे का सहयोग लिया है अथवा एकाधिक पुस्तिकाओं के उत्तर समान हैं तो उसे नकल किया हुआ मानकर परिणाम निरस्त कर दिया जावेगा। केन्द्र अधीक्षक उपरोक्त प्रश्नोत्तर पुस्तिका परीक्षा समाप्ति के अगले दिन श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ, समता भवन, आचार्य श्री नानेश मार्ग, नोखा रोड, गंगाशहर, बीकानेर-334401 (राज.) के पते पर भिजवावें।

पेपर 97 अंक एवं 3 अंक सामायिक के हैं। जैसे :- 3 सामायिक करने पर 3 अंक दिए जाएगे और 2 करने पर 2 अंक इसी क्रम में सामायिक न करने पर 3 अंक काटे जाएंगे।

1. समता संस्कार पाठशाला के विद्यार्थी हों तो ¼✓½ सही या ¼✗½ गलत करें। ¼ ½
2. आपने कितनी सामायिक की है 1,2,3 काँलम में लिखें। ¼ ½

प्रश्न 1. नीचे लिखे पाठों को पूरा कीजिए- 24

1. णवरं पुप्फचूला ....।
.... जाव विहरइ।।

2. सव्वोउय-पुप्फ ....।
.... होत्था दिव्वे।।

3. णो खलु अहं ....।
.... गिहिधम्मं पडिवज्जिस्सामि।।

4. किं वा समायरित्ता ....।
.... पत्ता अभिसमण्णगया?

5. तए णं से ....।
.... समिए जाव गुत्तबंभयारी।

6. से णं ताओ देवलोगाओ ....।

.... तहारूवाणं येराणं।।

7. सुदत्तं अणगारं सत्तट्ठपयाइं ....।

.... उवागच्छिता।।

8. हो दुःख या ....।

.... निवास हो।।

9. पर का दिया ....।

.... बेकार हो।।

10. है आत्मा ....।

.... है सदा।।

11. पंच महाव्रत ....।

.... पाले प्रत्याख्यान।।

12. लाख–लाख ....।

.... अमावस सम।।

प्रश्न 2. निम्न प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए- 20

1. विस्वा किसे कहते हैं?

....।

2. निश्चय दया किसे कहते हैं?

....।

3. उपबृहण दर्शनाचार क्या हैं? बताइये।

....।

4. कितने मास की प्रवज्या वाला 11वें देवलोक के देवों का सुख लांघ जाता हैं?

....।

5. दर्शन प्रतिमा क्यों स्वीकार की जाती हैं?

....।

6. निवृत्ति बादर गुणस्थान में कौन से 5 कार्य अपूर्व होते हैं?

....।

7. ग्यारहवें गुणस्थान में कितने कर्मों का बंध व परिषह होते हैं?

....।

8. मोहनीय कर्म के उदय से कितने परिषह होते हैं कोई 4 नाम लिखो।

....।

9. 14वें गुणस्थान में कौन-कौन सी आत्मा नहीं होती हैं लिखो।

....।

10. राजा श्रेणिक को भद्रा के घर के विषय में क्या जिज्ञासा हुई।

....।

11. धन्ना ने व्यंग्यपूर्वक अपनी पत्नियों को क्या कहा?

....।

12. देव ने श्रीकृष्ण को क्या कहा?

....।

13. मणिप्रभ ने देवता की और संकेत करके क्या कहा?

....।

14. मदनरेखा और उसका परिवार सभी काल करके कहाँ-कहाँ गये?

....।

15. अशोक वृक्ष भगवान पर किस प्रकार छाया करता है?

....।

16. अन्य दर्शनवादीयों के अभिमान का त्याग कैसे हुआ?

....।

17. नीतिकारो ने धन की कौन सी 3 गति बताई।

....।

18. अरिष्टनेमि भगवान ने तीर्थंकर गोत्र का उपार्जन कैसे किया?

....।

19. तीसरे गुणस्थान में कौन सी समकित होती है?

....।

20. 9 वें गुणस्थान में गया हुआ जीव उत्कृष्ट कितने भवों के बाद मोक्ष जा सकता हैं।

....।

प्रश्न 3. नीचे लिखे पाठों के भावार्थ लिखिए- 10

1. से णं तओ अणंतरं चयं चइत्ता महाविदेहेवासे जाव अड्ढे जहा दडपइण्णे, सिज्झिहिइ बुज्झिहिर मुच्चिहिइ परिणिव्वाहिइ परिणिव्वाहिइ सव्वदुक्खाणमंतं करेहिइ।

....

....

....।

2. णमो सुहदेवयाए। विवांगसुयस्स दो सुयखंधा दुहबिवागे य सुहविवागे य। तत्थ दुहविवागे दस अज्झयणा एक्कसरगा दससु चेव दिवसेसु उद्दिसिज्जंति एवं सुहविवागे वि सेसं जहा आयारस्स।

....

....

....।

3. तए णं तस्स सुबाहुस्स कुमारस्स पुव्वरत्तावरत्तकाले धम्मजागरियं जागरमाणस्स इमेएयारूवे अज्झत्थिए समुप्पण्णे-धण्णा णं ते गामागर-णयर-जाव सण्णिवेसा जत्थ णं समणे भगवं महावीरे विहरइ।

....

....

....।

4. वसुहारा वुट्ठा, दसद्धवण्णे कुसुमे णिवाइए, चेलेक्खेवे कए, आहयाओ देवदुन्दुहिओ, अंतरा वि य णं आगासंसि 'अहो दाणं अहो दाणं' छुट्टे य।

....

....

....।

5. सुबाहू भद्दणंदी य सुजाए, सुवासने तहेव जिणदासे। धणवई य महस्बले, भद्दणंदी महचंदे वरदत्ते।।

....

....

....।

प्रश्न 4. खाली स्थान भरिए- **12**

1. भगवान उपदेश .... भाषा में फरमाए।

2. जिसकी जैसी .... होती है, वैसा ही .... प्राप्त होता हैं।

3. .... जीवन की शान है करने वाला जग में महान हैं।

4. निज कर्म का फल प्राप्त करते ....।

5. प्रिय देह से यदि .... को, हम अलग कर देवे यहाँ।

6. वे .... तो खण्डित हो गए। मेरी पुत्र-वधुओं ने उनके पाद-प्रोच्छन बना लिए हैं।

7. धन्ना ने कहा- .... स्त्री और .... सब अनित्य हैं।

8. तुम्हे जैसा सुख हो, वैसा करो .... में विलम्ब मत करो।

9. 13वें गुणस्थान वाले जीव से 7वें गुणस्थान वाले जीव ....

10. चौथे गुणस्थान में .... लेश्या होती हैं।

11. आगमों में ग्यारहवीं .... के धारक श्रावक को भिक्षा गमन की अनुमति दी गई हैं।

12. .... का उदय रहता है तब जीव को जैन धर्म में प्रीति अप्रीति भी नहीं होती।

प्रश्न 5. सही या गलत बताइये। **11**

1. भगवान के शरीर में भेषज रूपी लेप लगे नहीं। ( )

2. गरीबों को भी दान देने में धर्म और पुण्य का अर्जन होता हैं। ( )

3. निःस्वार्थ भाव से देने वाला, संयम निर्वाहार्थ लेने वाला, दोनो सुलभ हैं। ( )

4. भावे भावना भाईये, भावे दीजे दान। ( )

5. मदनरेखा की फटकार से मणिरथ का नशा उत्तर गया। ( )

6. गजसुकुमाल के शरीर में असहनीय घारेतम वेदना बढ़ रही थी तथा एकाग्रता घट रही थी। ( )

7. ज्ञान एवं ज्ञान पढ़ाने वाले गुरू का नाम छिपाना अनिद्धवाचार हैं। ( )

8. तप, यशकीर्ति के लिए भी करना चाहिए। ( )

9. कायोत्सर्ग प्रतिमा मे दिन में ब्रह्मचर्य की मर्यादा और रात्रि में त्याग होना चाहिए। ( )

10. 7वें गुणस्थान की जघन्य स्थिति 1 समय की हैं। ( )

11. 11वें गुणस्थान में क्षायिक भाव को छोड़कर सारे भाव होते हैं। ( )

प्रश्न 6. सही विकल्प चुनिये। **10**

1. 34 अतिशय मे कौन से 4 अतिशय जन्म से होते हैं।

(A) 1,2,3,4 (B) 2,3,4,5 (C) 3,4,5,6 (D) 1,3,5,7 ( )

2. तीन लोक की संपदा क्या हैं?

(A) दान (B) शील (C) तप (D) भावना ( )

3. दशवैकालिक सूत्र मे आया है-

(A) दुल्लहाओ मुहादाई (B) दाणाण सेट्ठं अभयप्पयाणं

(C) हस्तस्य भूषणं दानम् (D) भावना भवनाशिनी ( )

4. अनुकम्पा दान किसका लक्षण हैं।

(A) दया (B) सम्यक्त्व (C) प्रदर्शन (D) पुण्य ( )

5. अमर गुणस्थान कौन-कौन से हैं।

(A) 3,12,13, (B) 12,13,14 (C) 1,2,4 (D) 3,4,7 ( )

6. दूसरे गुणस्थान मे कौन सा चारित्र होता है।

(A) सामायिक (B) सूक्ष्म संपराय (C) देश चारित्र (D) कोई चारित्र नहीं ( )

7. 5वें गुणस्थान में योग कितने है?

(A) 11 (B) 13 (C) 12 (D) 15 ( )

8. इन अक्षरों का सही क्रम बताइये।

(A) अ इ ऊ ऋ लृ (B) अ ऊ इ लृ ऋ

(C) अ इ उ ऋ लृ (D) अ इ लृ ऋ इ ( )

9. कौन सा करणसत्तरी का भेद नहीं है।

(A) 5 समिति (B) 12 भावना (C) 3 गुप्ति (D) 5 महाव्रत ( )

10. सोगन्धिया णयरी। णीलासोगे उज्जाणे। सुकालो जक्खो।

(A) महचंदे कुमारे (B) सुवासवे कुमारे (C) महबले कुमारे (D) वेसमणे कुमारे ( )

प्रश्न 7. सही जोड़ी बनाइये ABC को मिलाकर D में लीखिए। 10

A	B	C	D
1. मणिपुरे णयरे	1. चम्पा णयरी	1. वरदत्ते कुमारे	....
2. जियसत्तू राया	2. सयदुवारे णयरे	2. रत्तासोगे उज्जाणे	....
3. मणोरमे उज्जाणे	3. कणगपुरे णयरे	3. दत्ते राया	....
4. संभूइविजए अणगारे	4. बले राया	4. उसुयारे नयरे	....
5. उत्तरकुरू उज्जाणे	5. तईयस्स उक्खेवो	5. सुभद्दा देवी	....